साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 4 । अंक : 18 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 7 दिसंबर से 13 दिसंबर 2023 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

फांसी लगाकर की आत्महत्या

गोंदिया-अर्जुनी मोरगांव तहसील के धाबेटेकड़ी निवासी विजय नत्थू कुंभरे (52) ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. संदीप कुंभरे (33) की शिकायत पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया हैं.

नरेश श्रीपात्री व नईम कुरेशी के ताइक्कांडो एसोसिएशन को न्यायालय ने किया प्रतिबंधित अनाधिकृत रूप से प्रतियोगिता का आयोजन करना पड़ा महंगा

बुलंद गोंदिया। सिविल जज एवं प्रथम श्रेणी न्यायदंडाधिकारी,गोंदिया के कोर्ट ने हाल ही में दिए गए आदेश में नरेश ग्यानीराम श्रीपात्री एवं नईम कुरैशी, भंडारा के ताइक्कांडो एसोसिएशन को प्रतियोगिता आयोजन करने से हमेशा के लिये प्रतिबंधित किया ।गौरतलब है की नरेश व नईम ने ताइक्कांडो एसोसिएशन के नाम से अनाधिकृत रूप से प्रतियोगिता का आयोजन किया था इस मामले में दोनो के खिलाफ अधीकृत गोंदिया जिला ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव दुलीचंद मेश्राम ने सिविल कोर्ट गोंदिया में मामला दाखिल किया गया था की इन्होंने 09 अगस्त 2022 को गोरेगांव में गोंदिया जिल्हा ताइक्कांडो चैंपियनशिप 2022 का आयोजन सभी वर्ग आयु में किया गया था वह अनाधिकृत थी । नरेश श्रीपात्री व नईम कुरेशी के ताइक्कांडो एसोसिएशन द्वारा जो स्पर्धा का परिपत्रक प्रकाशित किया गया था जिसमें प्रतिखिलाडी एंट्री फीस 500 रुपए ली गई थी, और आयोजन संगठन का नाम ताइक्कांडो एसोसिएशन, गोंदिया का लेटर हेड इस्तेमाल करके परिपत्रक निकला गया था एवं उपरोक्त जिला ताइक्कांडो स्पर्धा का आयोजन किया गया था, जिसमें आयोजक एसोसिएशन के रजिस्ट्रेशन का धर्मदाय आयुक्त कार्यालय गोंदिया में रजिस्ट्रेशन ही नहीं था। प्रतियोगिता के नाम पर खिलाड़ियों को गुमराह किया जा रहा था, आयोजकों का मतलब सिर्फ पैसे कमाना था जिला खेल अधिकारी कार्यालय एवं अन्य शासकीय कार्यालय में हमारा एसोसिएशन अधिकृत है इस प्रकार का पत्र व्यवहार करके शासकीय कार्यालय को भी गुमराह किया गया था

जबकि संवैधानिक तौर पर कोई भी उनके एसोसिएशन का शासकीय रजिस्ट्रेशन नहीं था। जब रजिस्टर संस्था गोंदिया जिला ताइक्कांडो एसोसिएशन की ओर से नोटिस भेजा गया कि आपके पास संवैधानिक अधिकार नहीं है कि आप गोंदिया जिला ताइक्कांडो स्पर्धा का आयोजन करें फिर भी नरेश श्रीपात्री और नईम कुरैशी ने इस प्रकार का गैर कृत्य नोटिस मिलने के बावजूद भी शुरू रखा।

जिस पर गोंदिया जिला ताइक्कांडो एसोसिएशन की ओर से सिविल कोर्ट गोंदिया में मामला दाखिल किया गया था, कि इस प्रकार के अनाधिकृत स्पर्धा का आयोजन करने पर प्रतिबंध लगाया जाए। यह मामला 15 महीने चला उसके बाद न्यायालय में कई गवाह और सबूतनरेश श्रीपात्री व नईम कुरेशी के खिलाफ प्रस्तुत किए गए। जिसके आधार पर माननीय कोर्ट ने आदेश जारी किया की नरेश श्रीपत्री एवं नईम कुरैशी की ताइक्कांडो एसोसिएशनबोगस है इस लिये इनको ताइक्कांडो स्पर्धा, कार्यक्रम आयोजन करने पर हमेशा के लिए प्रतिबंध लगाया जाता है यह आदेश संयुक्त सिविल जज एवं प्रथम श्रेणी न्यायदंडाधिकारी गोंदिया ने दिया।

सभी पालक वर्ग से अधिकृत गोंदिया जिला ताइक्कांडो एसोसिएशन की ओर से निवेदन किया गया है कि उपरोक्त प्रतिबंधित संस्था से ताइक्कांडो स्पर्धा, आयोजित करने पर सहभागी ना हो , उन्होंने के पास कोई भी ताइक्कांडो स्पर्धा, कार्यक्रम आयोजन करने की कोई भी शासकीय अनुमति नहीं है, नाही कोई संवैधानिक अधिकार उनके पास है, ऐसा आवाहन अधीकृत गोंदिया जिला ताइक्कांडो एसोसिएशन के सचिव दुलीचंद मेश्राम उनकी ओर से किया गया।

लापता युवक का शव मिला तालाब में

बुलंद गोंदिया। रामनगर थाना अंतर्गत आने वाले शहर के सूर्याटोला बांध तालाब में लापता युवक का शव 5 दिसंबर दोपहर 3ः00 बजे तैरता मिला ।मृतक की पहचान शुभम राजेंद्रकुमार मानकानी (29 , निवासी-सुंदर नगर , श्रीनगर) के रुप में हुई हैं , वह 3 दिसंबर रविवार सुबह से लापता हो गया था शव मिलते ही सनसनी फैल गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम पश्चात लाश परिजनों को सौंपते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

युवक क्रिकेट खेलने सूर्यटोला ग्राउंड जा रहा हूं यह कहकर घर से निकला था मामले में फरियादी राजकुमार झामनदास गलानी (43 , दशहरा मैदान सिंधी कॉलोनी की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सुरु की।

इंडिगो-हैद्राबाद-गोंदिया पहली फ्लाईट के प्रथम यात्री गोपाल अग्रवाल का स्वागत

बुलंद गोंदिया। इंडिगो एअर लाईन्स की डेली फ्लाईट तिरुपति-हैद्राबाद-गोंदिया का शुभारंभ हुआ। हैद्राबाद से गोंदिया यात्रा करने वाले प्रथम यात्री गोपाल अग्रवाल का भव्य स्वागत हैद्राबाद एअरपोर्ट पर इंडिगो एअरलाईन्स दक्षिण भारत विभाग के प्रमुख जगदीश हैद्राबाद इंटरनेशनल एअरपोर्ट की चीफ डायरेक्टर मिस चारु सहायक डायरेक्टर शादात ने पुष्पगुच्छ एवं उपहार देकर किया। हैद्राबाद-गोंदिया पलाईट की सफलता हेतु विमानन अधिकारियो ने गोपाल अग्रवालजी से सहयोग देने का अनुरोध किया गया। उल्लेखनीय है कि इसी पलाईट से पूर्व विमानन मंत्री सांसद प्रफुल पटेल ने भी यात्रा की । गोंदिया आगमन पर, गोपाल अग्रवाल का स्वागत मुकेश शिवहरे, नवीन अग्रवाल, विष्णु शर्मा, प्रकाश तिडके, राजेश बसोड ने बिरसी हवाई अड्डे पर किया। अग्रवाल ने यात्रा के दौरान प्रफुल पटेल से करीब 40 मिनट प्रदेश और गोंदिया जिले की सामाजिक व राजनितीक चर्चा की।

बाइक रेस : राहगीरों की जान को खतरा

गोंदिया-नगर से होकर गुजरने वाले स्टेट हाईवे का काम पूरा हो चुका है. साथ ही शहर की सड़कों के सीमेंटीकरण के कारण भी वाहनों की बढ़ गई है. इसी तरह बाइक चलाने वाले युवाओं द्वारा यातायात नियमों का पालन नहीं करने से दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ रही है. तेज गति और तेज आवाज वाली बाइक की संख्या भी बढ़ गई है. शोर के कारण निवासियों और सड़क पर चलने वाले लोगों को और खासतौर पर बुजुर्गों को ज्यादा परेशानी होती है. सड़क पर स्कूल होने से विद्यार्थियों की जान को भी खतरा हो सकता है. इस ओर पुलिस विभाग तथा परिवहन विभाग को गंभीरता से ध्यान देने की मांग नागरिकों ने की है.

गोरेगांव-तिरोड़ा एसटी बस की दुर्घटना, 6 यात्री घायल

बुलंद गोंदिया। गोरेगांव-तिरोड़ा मार्ग पर रुस्तमपुर गांव वाघदेव देवस्थान क्षेत्र में गोरेगांव से तिरोड़ा की ओर जा रही तिरोड़ा एसटी डिपो की बस चालक के नियंत्रण खो देने से दुर्घटनाग्रस्त हो गयी इस हादसे में 6 यात्री जख्मी हो गयेयह घटना 3 दिसंबर की सुबह 10.30 बजे हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार तिरोड़ा डिपो के चालक मनोज जिभकाटे और कंडक्टर अनिल सार्वे बस क्र. एमएच 40-एन 9507 से गोरेगांव से इंदौरा होते हुए तिरोड़ा डिपो लौट रहे थे. तभी बस लोहे के बिजली के खंभे से टकरा गई. जिसमें लोहे का खंभा करीब 20 से 25 फीट दूर जाकर गिरा और बस सड़क किनारे नाले में पलट गई। इस समय बस में चालक और कंडक्टर समेत 17 यात्री बैठे थे. इस दौरान चालक और 5 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए जबकि एक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं सभी घायलों को 108 एंबुलेंस से तिरोड़ा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इस दुर्घटना में एसटी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है और बिजली का खंभा और तार टूट गए है. जिससे महावितरण को नुकसान हुआ है. घटना की जानकारी मिलते ही तिरोड़ा एसटी डिपो व्यवस्थापक क.ज. भोगे, यातायात निरीक्षक रंजना दमाहे, मैकेनिक नितिन गजभिये के साथ तिरोड़ा पुलिस टीम और महावितरण के कर्मचारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा किया।

मराठी भाषा के विकास के लिए प्रशासन प्रयासरत -जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे

» जिला मराठी भाषा समिति की बैठक

बुलंद गोंदिया। मराठी भाषा के समग्र विकास के लिए आने वाली पीढ़ी को मराठी भाषा साहित्य के बारे में जानकारी देना बहुत जरूरी है। जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने यहां कहा कि मराठी भाषा के संरक्षण और व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रशासन में मराठी का उपयोग करने का सचेत प्रयास किया जाएगा।

जिला मराठी भाषा समिति की बैठक 6 दिसंबर को जिलाधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई थी, उस समय गोतामारे बोल रहे थे. वन संरक्षक प्रमोद कुमार पंचभाई, निवासी उप जिलाधिकारी स्मिता बेलपत्रे, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) कादर शेख सहित विभिन्न विभागों के मुख्य अधिकारी और गैर-सरकारी सदस्य लाखन सिंह कटरे उपस्थित थे।

जिलाधिकारी गोटमारे ने कहा कि मराठी भाषा का एक लंबा इतिहास है. पूर्वकाल के संतों की रचनाओं एवं साहित्य से मराठी भाषा का विकास होने के कारण यह अब समृद्ध है। भाषा का ज्ञान जितना अधिक होता है, व्यक्तित्व में उतना ही निखार आता है। मराठी भाषा को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों में सेमिनार आयोजित किए जाने चाहिए। मराठी भाषा की विरासत को संरक्षित करने के लिए मराठी भाषा के उपयोग पर अधिकतम जोर दिया जाना चाहिए।

इससे मराठी भाषा का प्रचार-प्रसार होगा और विकास होगा। मराठी भाषा के उपयोग और प्रचार-प्रसार के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। प्रत्येक सरकारी कार्यालय में पत्राचार मराठी भाषा में ही किया जाना चाहिए। यदि सरकारी कार्यालयों में मराठी भाषा के प्रयोग को लेकर कोई शिकायत है तो उन शिकायतों का निवारण किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए कि छात्रों को मराठी भाषा के ज्ञान की कमी के कारण परेशानी न हो। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रशासन और रोजमर्रा के कामकाज में भी मराठी भाषा का भरपूर इस्तेमाल होना चाहिए। मराठी भाषा का महत्व सभी को समझना चाहिए। मराठी भाषा के संरक्षण और संस्कृति के लिए आने वाली पीढ़ी को संतों और महान लोगों का साहित्य पढ़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। जब कोई भाषा मजबूत होती है तो राष्ट्र बनता है। भाषा राष्ट्र का निर्माण करती है। अतः मराठी भाषा के सर्वांगीण विकास के लिए सभी को यथासंभव मराठी का प्रयोग करना चाहिए। आइए हम प्रशासनिक एवं अन्य व्यावहारिक कार्य केवल मराठी में करने का संकल्प लें, तभी मराठी व्यापक अभिव्यक्ति की भाषा बनेगी। उन्होंने कहा कि सरकार मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने का प्रयास कर रही है।

विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम में मारवाड़ी जूनियर कॉलेज का सहभाग

बुलंद गोंदिया। श्री महावीर मारवाड़ी स्कूल सोसाइटी द्वारा संचालित श्रीमती हीरादेवी राधेश्याम अग्रवाल (महालक्ष्मी) ,श्री महावीर मारवाड़ी जूनियर कॉलेज आफ साइंस गोंदिया का शासकीय मेडिकल कॉलेज द्वारा आयोजित विश्व एड्स दिवस कार्यक्रम में सहभाग लिया गया! कार्यक्रम का आयोजन शासकीय मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन गोंदिया के जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे द्वारा किया गया । कार्यक्रम मे श्री महावीर मारवाड़ी कॉलेज आफ साइंस के कक्षा 11वी एव 12वीं के विद्यार्थी विद्यार्थिनीयों के द्वारा बढ़-चढ़कर सहभाग लिया गया। इस अवसर पर बच्चों को एड्स के बारे एव उपायो के बारे में जानकारी दी गयी तथा गोंदिया शहर के प्रमुख मार्गों पर रैली का आयोजन किया गया । विद्यार्थियों द्वारा एड्स पर तैयार किए घोष वाक्य का उद्बोध किया गया ।साथ हि विद्यार्थियों द्वारा पथ नाट्य की प्रस्तुति की गई । कार्यक्रम मे जूनियर कॉलेज के कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थीयो के साथ साथ जूनियर कॉलेज के प्राचार्य अजय बी शामका सर ,जूनियर कॉलेज के प्रभारी जगन्नाथ टोंगे सर , शिक्षिका श्रीमती मनीषा तीमांडे मैडम,योगिता हर्ष मैडम , चित्रसेन रहांगडाले सर ,आदेश मेश्राम सर , भानु अग्रवाल सर ,मेघा अग्रवाल मैडम,रोशनी चौधरी मैडम, सुरभि अग्रवाल मैडम, एवं अन्य कर्मचारी वर्ग ने भाग लिया।

19 वर्षीय क्रिकेट सिलेक्शन 10 को

गोंदिया-वी.सी.ए. क्रिकेट एसोसिएशन नागपुर की ओर से गोंदिया जिले में शहरी व ग्रामीण विभाग के प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ियों की खोज व उनके खेल में विकास करने के लिए गोंदिया डिर्सट्रक्ट 19 वर्षीय अंतर क्लब तहसील अकादमी क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन जिले में किया जाएगा. इसके लिए सभी तहसील में गोंदिया जिला क्रिकेट एसो. के माध्यम से सिलेक्शन द्वारा ट्रायल लिए जाएंगे. 10 दिसंबर को गोंदिया तहसील में सिलेक्शन इंदिरा गांधी स्टेडीयम में दोपहर 2.30 बजे से आयोजित होंगे. आमगांव तहसील में 10 दिसंबर को भवभूति महाविद्यालय आमगांव में सुबह 9 बसे से आयोजित होंगे. सभी इच्छुक खिलाड़ी अपने तहसील में समय पर उपस्थित रहे. जन्म प्रमाणपत्र, आधार कार्ड अनिवार्य है. सिलेक्शन नि:शुल्क किए जाएंगे. चुने गए खिलाड़ी वीसीए गोंदिया जिला आंतर क्लब तहसील प्रतियोगिता में भाग लेंगे. खिलाड़ी का जन्म 1/9/2005 से 31/8/2008 के बीच का हो. अधिक जानकारी के लिए मुकेश बाराई, अजय गौर, शिवम रहांगडाले, सौरभ मुखर्जी, पुष्पक जस्सानी, राजू लिमये, नियाज शेख, अमोल उरकुडे, कुणाल तांडेकर, अनिल शहारे, अनिल घोटे, सत्तु अग्रवाल, अशोक यादव, उदय राजनकर, कार्तिक तुरकर से संपर्क किया जा सकता है.

ट्रक ने दुपहिया को मारी टक्कर लाइनमैन की हुई मौत

बुलंद गोंदिया-राष्ट्रीय राजमार्ग पर सावंगी गांव के पास दुर्घटना में महावितरण में कार्यरत लाइनमैन की मौत हो गई. मृतक का नाम किन्ही निवासी विजय ईश्वरदास राऊत (40) बताया गया हैं. जानकारी के अनुसार नागपुर-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सावंगी (बाम्हनी) गांव के पास 4 दिसंबर की दोपहर करीब 3.30 बजे स्कूटी चालक विजय ईश्वरदास राऊत (40) को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि विजय राउत गंभीर रूप से घायल हो गया. सूचना मिलते ही डुग्गीपार पुलिस मौके पर पहुंची. घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने 108 एम्बुलेंस को फोन कर घायल को इलाज के लिए ग्रामीण अस्पताल सड़क अर्जुनी में भर्ती कराया. लेकिन आवश्यक सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण घायल को गोंदिया के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। विजय ईश्वरदास राऊत सड़क अर्जुनी स्थित महावितरण में लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे. डुग्गीपार पुलिस घटना की जांच कर रही हैं।

संपादकिय...

जिंदा हैं क्षेत्रीय दल

मिजोरम में पांच साल पुराने क्षेत्रीय दल 'जोराम पीपुल्स मूवमेंट' (जेडपीएम) को जनादेश देकर 35 साल पुरानी राजनीतिक जुगलबंदी को तोड़ा गया है। यह एक नए क्षेत्रीय दल की नाटकीय जीत है। जेडपीएम के पक्ष में ऐसी लहर थी, जिसमें मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी पराजित हो गए। मिजो नेशनल फ्रंट जैसे ताकतवर दल का लगभग सूपड़ा साफ हो गया। भाजपा और कांग्रेस सरीखे राष्ट्रीय दलों के हिस्से क्रमश: 2 और 1 सीट ही आई। अब मुख्यमंत्री पद पर एक नया चेहरा होगा-लालदुहोमा। अभी तक सत्ता की बंदरबांट जोरमथांगा और ललथनहवला के बीच जारी रही थी। उनके जरिए भाजपा और कांग्रेस का वर्चस्व भी बना रहता था, लेकिन ताजा चुनाव में एक पूर्व आईपीएस अधिकारी एवं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी रहे लालदुहोमा की नवजात पार्टी को स्पष्ट जनादेश मिला है, तो माना जा सकता है कि क्षेत्रीय दल अब भी जिंदा हैं। लालदुहोमा कांग्रेस के सांसद रहे हैं, लिहाजा उनका कुछ राजनीतिक झुकाव कांग्रेस की तरफ स्वाभाविक है, लेकिन यह जनादेश उन्होंने एमएनएफ, भाजपा और कांग्रेस सरीखी ताकतों से लडक़र हासिल किया है। दरअसल राज्यों के विधानसभा चुनावों में जिस तरह भाजपा और कांग्रेस को जनादेश मिले हैं, उनके मद्देनजर व्याख्या की जा रही है कि क्षेत्रीय दलों का अस्तित्व खतरे में है, क्योंकि जनादेश राष्ट्रीय दलों के पक्ष में दिए जा रहे हैं। मिजोरम देश के हाशिए पर स्थित ऐसा छोटा-सा राज्य है, जिसका पड़ोसी मणिपुर है। वहां के जातीय, विभाजक, हिंसक और हत्यारे टकरावों का प्रभाव मिजोरम में भी है। हजारों कुकी लोग विस्थापित होकर मिजोरम में आए हैं। म्यांमार के घुसपैठिए यहां भी आते हैं। बेशक पुराना उग्रवाद लगभग शांत है, लेकिन यह एक आत्मनिर्भर राज्य नहीं है। मिजोरम को नई दिल्ली में भाजपा या कांग्रेस की सत्ताओं का सहारा हर हाल में चाहिए। उसके बावजूद वहां की जनता ने एक नवजात दल को समर्थन दिया है, तो यह भी लोकतंत्र की खूबसूरती है। बेशक कुछ ही राज्यों में क्षेत्रीय दल प्रासंगिक बचे हैं, अलबत्ता दिल्ली में उनका प्रभाव धुंधला रहा है। 1989 से 2014 के बीच क्षेत्रीय दलों का जलवा था, क्योंकि किसी भी राष्ट्रीय पार्टी को बहुमत नहीं मिल रहा था। क्षेत्रीय दल देश की सत्ता के सूत्रधार बन गए थे। चूंकि 2014 में केंद्र में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, उसके साथ ही क्षेत्रीय दलों के अंत की शुरुआत हो गई। हालांकि कुछ क्षेत्रीय दल 'प्रतीक-रूप' में ही मोदी सरकार में शामिल हैं। भाजपा ने क्षेत्रीय दलों को हाशिए पर धकेलना शुरू किया है। भाजपा उप्र और महाराष्ट्र में भी वर्चस्ववादी ताकत के रूप में स्थापित हो चुकी है, नतीजतन क्षेत्रीय दलों में उथल-पुथल मची है। 2014 के बाद से राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के बीच दो तरह की राजनीतिक साझेदारियां चल रही हैं।

नतीजों का संदेश, विज्ञापनबाजी से नहीं नेतृत्व की विश्वसनीयता से जीते जाते हैं चुनाव

मध्य प्रदेश में कमलनाथ, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और राजस्थान में अशोक गहलोत ही एक तरह से कांग्रेस नेतृत्व बनकर सामने थे। ऐसा लगा नहीं कि राष्ट्रीय स्तर की एक पार्टी चुनाव में उतरी है। इसके उलट भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बनाकर तीनों राज्यों में पेश किया। यह बड़ा दांव था, जो चल गया।

तीन राज्यों में भाजपा की जीत अनायास नहीं है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा के मजबूत संगठन, बेहतर चुनावी प्रबंधन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्मा काम कर गया। भाजपा ने मध्य प्रदेश में प्रतिष्ठान विरोधी कारक को मात दी। वहीं कांग्रेस से उसके प्रमुख राज्य राजस्थान के साथ ही छत्तीसगढ़ को भी छीन लिया। कांग्रेस ने भले ही भाजपा के दक्षिण में प्रवेश का एक और प्रयास तेलंगाना में विफल कर दिया। लेकिन इसके साथ राजस्थान व छत्तीसगढ़ गंवाने का सौदा फायदे का तो नहीं लगता।

इन नतीजों का असर 2024 के चुनाव में कांग्रेस की संभावनाओं पर निश्चित ही पड़ेगा। इन चुनावों में कांग्रेस तेलंगाना में एक मजबूत क्षेत्रीय पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराने में तो सफल रही, लेकिन कुल मिलाकर भाजपा के आगे कमजोर साबित हुई। मध्य प्रदेश में कांग्रेस प्रतिष्ठान विरोधी नाराजगी का लाभ उठाना तो दूर, भाजपा की झोली में तूफानी जीत डाल गई। दिग्गज नेताओं की गुटबाजी में भाजपा को मौका हाथ लग गया।

राजस्थान में जमकर विज्ञापनबाजी, योजनाओं और तोहफों की झड़ी लगाने के बावजूद मतदाताओं का विश्वास अशोक गहलोत नहीं जीत पाए। महज विज्ञापनबाजी से चुनाव नहीं जीते जा सकते। नेतृत्व की विश्वसनीयता भी होनी चाहिए। गहलोत वहां सचिन पायलट से खींचतान की खाई नहीं पाट सके। चुनावी मैदान में डटे कार्यकर्ताओं के साथ ही मतदाताओं में इसका जो भी संदेश गया, वह नतीजों में साफ दिख गया। राजस्थान के विपरीत मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान लाड़ली बहना जैसी योजनाओं को लेकर मतदाताओं में विश्वास पैदा कर गए। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें अपना चेहरा नहीं बनाया, लेकिन वे जीत के शिल्पकार साबित हुए।

एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस की हार के सबक सामने हैं

जीत के बाद चौहान ने श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया। मत फीसद के लिहाज से कांग्रेस को खास नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन ओबीसी, आदिवासी व कुछ अन्य मत आखिरी दौर में भाजपा की ओर मुड़ गए और सीटों के स्तर पर गणित बदल गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान- उत्तर भारत के इन तीनों अहम राज्यों में कांग्रेस के नेता अपनी खुमारी में डूबे रहे और भाजपा उनकी नाक के नीचे से फेरबदल करा ले गई। कांग्रेस को मिली हार के सबक सामने हैं।

कांग्रेस ने इन चुनावों से पहले जाति जनगणना का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और यहां तक कि ओबीसी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राज्य छत्तीसगढ़ तक में यह दांव नहीं चल सका। राहुल गांधी ने 'जितनी आबादी, उतना हक' का नारा दिया और कांग्रेस पार्टी ने जाति सर्वेक्षण करवाने की गारंटी दी। उत्तर भारत में जाति कड़वी सच्चाई है। राजनीति में जाति की जकड़ तो बहुत मजबूत है। लेकिन चुनाव नतीजों ने बता दिया कि जनता जाति नहीं देखती है जब मोदी का चेहरा नजरों के सामने हो।

इन चुनावों के दम पर कांग्रेस विपक्षी गठबंधन में भी अपना सिक्का जमाना चाहती थी। वह साबित करना चाहती थी कि अगर भाजपा का मुकाबला करना है तो वह कांग्रेस ही कर सकती है और कांग्रेस की मदद से ही भाजपा को 2024 में हराया जा सकता है। अब कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती होगी, विपक्षी इंडिया गठबंधन में उन दलों को सहेजना जिनसे उसने इन चुनावों में दूरी बनाई थी।

मध्य प्रदेश में कमलनाथ, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और राजस्थान में अशोक गहलोत ही एक तरह से कांग्रेस नेतृत्व बनकर सामने थे। ऐसा लगा नहीं कि राष्ट्रीय स्तर की एक पार्टी चुनाव में उतरी है। इसके उलट भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बनाकर तीनों राज्यों में पेश किया। यह बड़ा दांव था, जो चल गया।

अधिवक्ता संशोधन' विधेयक के जरिये अदालत दलालों से मुक्त होंगी

जबसे वकालत के पेशे में आसान रास्तों से पैसा कमाने की प्रवृत्ति गहरी होती गई है, तबसे मुवक्किल जुटाने की प्रतियोगिता-सी देखी जाती है। इसके लिए बहुत सारे वकील दलालों की मदद लेते हैं। अदालतों को इंसाफ का मंदिर कहा जाता है। उनमें वकील की भूमिका वादी या प्रतिवादी के कानूनी सहायक की होती है। इसके एवज में वकील फीस तय करते हैं। जो जितना काबिल वकील होता या माना जाता है, उसकी फीस उतनी ही ऊंची होती जाती है। इसलिए इस पेशे में अपनी योग्यता को लगातार बढ़ाते, प्रतिभा को निखारते और तार्किक वक्तृता कौशल को धारदार बनाते रहने की जरूरत महसूस की जाती है। मगर जबसे वकालत के पेशे में भी आसान रास्तों से पैसा कमाने की प्रवृत्ति गहरी होती गई है, तबसे मुवक्किल जुटाने की प्रतियोगिता-सी देखी जाती है। इसके लिए बहुत सारे वकील दलालों की मदद लेते हैं। मुवक्किल लाने की एवज में उन्हें पैसा देते हैं। ऐसे में दलाल नए और भोले-भाले मुवक्किलों को कई ऐसे वकीलों के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर बताते और उनके पास ले जाते हैं, जिन्हें सामान्य प्रतिभा का कहा जा सकता है। जिन्हें आमतौर पर बहुत कम मुकदमे मिलते हैं। वे मुकदमे को लंबे समय तक खींचते रहते हैं, ताकि उनकी फीस बनती रहे। इस तरह मुकदमे का फैसला होने में भी देर होती है और बहुत सारे लोगों को उचित न्याय नहीं मिल पाता। ऐसे दलाल हर अदालत के बाहर, रेलवे स्टेशनों, बस ठहराव आदि पर मिल जाते हैं। केंद्र सरकार ने अदालतों को दलालों से मुक्त करने के मकसद से अधिवक्ता संशोधन विधेयक तैयार किया था। अब उसे लोकसभा में भी मंजूरी मिल गई है। इसे पिछले संसद सत्र में ही राज्यसभा में मंजूरी मिल गई थी। इस कानून के बाद अदालत परिसरों में दलालों की पैठ बंद हो जाएगी। अदालतें ऐसे लोगों की सूची तैयार कर सकेंगी, जिन्हें दलाल के रूप में चिह्नित किया जाएगा। स्वाभाविक ही इससे उम्मीद बनी है कि भोलेभाले लोग कम प्रतिभा वाले या अयोग्य वकीलों के चंगुल में फंसने से बच जाएंगे। इस तरह उन प्रतिभाशाली और योग्य वकीलों को भी मुकदमे मिल सकेंगे, जो किसी तरह के तिकड़म का सहारा नहीं लेते। योग्य वकील न केवल अपने मुवक्किल को सही सलाह देता और उसके मामले का शीघ्र निपटारा करवाने का प्रयास करता है, बल्कि उसकी दलीलों से न्यायाधीशों को भी कानूनी बारीकियां समझने और उचित निर्णय तक पहुंचने में मदद मिलती है। अयोग्य वकील अदालत और अपने मुवक्किल दोनों का सिर्फ समय बर्बाद करता है। इस लिहाज से अदालतों पर मुकदमे के बोझ से भी कुछ मुक्ति मिलने की उम्मीद की जा सकती है। मगर दलाली की समस्या सिर्फ अदालतों तक सीमित नहीं है। बहुत सारे छोटे-छोटे कामों में दलालों की वजह से लोगों को बेवजह इधर से उधर भटकना और उलझना पड़ता है। छोटे-मोटे लाइसेंस बनवाने या किसी संस्था आदि का पंजीकरण कराने जैसे कामों में भी इतने तरह की औपचारिकताएं पूरी करनी पड़ती हैं कि उनमें दलालों के लिए भरपूर जगह बन गई है। सरकारी योजनाओं में शायद ही कोई ऐसा काम हो, जिसमें दलालों की पहुंच न हो। चाहे वह पंचायतीराज व्यवस्था से जुड़े काम हों या फिर तहसीलों में जमीन-जायदाद से जुड़े काम, सबमें दलाल सक्रिय देखे जाते हैं। फिर बड़े सरकारी सौदों में भी बिना दलाल के काम होना कई बार जटिल हो जाता है। रक्षा सौदों में दलाली को लेकर लंबे समय से सवाल उठते ही रहे हैं। इसलिए केवल अदालतों में नहीं, हर ऐसी जगह से दलाली की गुंजाइश खत्म करने का प्रयास होना चाहिए जहां आमजन से जुड़े मसले निपटाए जाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार विरोधी दिवस विशेष-9 दिसंबर 2023

भ्रष्टाचार देश के विकास में सबसे बड़ी बाधा

भ्रष्टाचार समाज का वो नासूर है जो समृद्ध समाज के विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा बनता है। लालच या मज़बूरी के कारण लोग भ्रष्टाचार का विरोध करने के बजाय उसे लगातार बढ़ावा देते हैं, जिससे अक्सर न्याय और मानवता की हार होती है। जिन्हें फायदा होता है वे अपने पद, शक्ति और प्रतिष्ठा का दुरुपयोग कर सरकार और जनता को लूटते हैं। हमें अक्सर कहीं न कहीं भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ता है, अनेक लोग कड़ी मेहनत करते हैं और वे संघर्ष करते ही रह जाते हैं और सफलता कोई अन्य ले लेता है। बहुत बार हर क्षेत्र, हर विभाग से जुड़ा कर्मचारी जानता है कि उसके यहां पर कहां भ्रष्टाचार पनपता है या गलत काम को बढ़ावा मिलता है, लेकिन कोई खुलकर विरोध नहीं करता, सब आँखे मूंदकर देखते रहते हैं क्योकि वें मानते है कि उससे उन्हें कोई दिक्कत नहीं हैं या फिर वह क्यों समस्या से उलझें। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए कई सख्त कानून हैं, सरकारी तंत्र काम कर रहे हैं, कई संगठन, सामाजिक कार्यकर्ता भी भ्रष्टाचार के खिलाफ काम कर रहे हैं, फिर भी भ्रष्टाचार तेजी से फैल रहा है। भ्रष्टाचार से पीड़ित लोगों के जीवन की जद्दोजहद अति संघर्ष का सामना करने को मजबूर हो जाती है। भ्रष्टाचार भरोसा खत्म कर लोकतंत्र को कमजोर करता है, आर्थिक विकास को बाधित करके असमानता, गरीबी, सामाजिक विभाजन और पर्यावरण संकट को अधिक बढ़ाता है।

ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा किए गए करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2022 रिपोर्ट के अनुसार, भारत 40 अंक प्राप्त कर 180 देशों में से 85वां सबसे कम भ्रष्ट देश बना है। 89त्न प्रतिशत लोग मानते हैं कि सरकारी भ्रष्टाचार एक बड़ी समस्या है। पिछले 12 महीनों में 39त्न सार्वजनिक सेवा उपयोगकर्ताओं ने रिश्वत दी। सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले देशों में भ्रष्टाचार अक्सर मजबूत होता है। अफसोस की बात है कि भारत उनमें से एक है जिसकी प्रति व्यक्ति आय कम है। विश्व बैंक ने 2004 में कहा था कि रिश्वतखोरी के कारण दुनिया भर में हर साल 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान होता था। विश्व स्तर पर, वर्तमान में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने अनुमान लगाया है कि भ्रष्टाचार की लागत प्रति वर्ष लगभग 2.6 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर अर्थात 2,16,37,200 करोड़ रुपये है। राजनेता, सरकारी अधिकारी, लोक सेवक, व्यवसायी या जनता के सदस्य कोई भी भ्रष्टाचार में शामिल हो सकता है। व्यापार, सरकार, अदालत, मीडिया, स्वास्थ्य, शिक्षा से लेकर बुनियादी ढांचे और खेल तक सभी क्षेत्रों में कहीं भी भ्रष्टाचार हो सकता है। राजनेता सार्वजनिक धन का दुरुपयोग कर अपने परिजनों, मित्रों और परिवारों को सार्वजनिक नौकरियां या अनुबंध दे सकते हैं, मन मुताबिक काम पाने के लिए पाने के लिए निगम अधिकारियों को रिश्वत दे सकते है। भारत भ्रष्टाचार सर्वेक्षण 2019 के अनुसार, 51त्न उत्तरदाताओं ने रिश्वत देने की बात स्वीकार की।

भारत देश में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कानूनी और नियामक ढांचे बनाये गए है। जैसे :- भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988, लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार के संबंध में और उन लोगों के लिए भी दंड का प्रावधान करता है जो भ्रष्टाचार के कृत्य को बढ़ावा देने में शामिल हैं। 2018 के संशोधन ने लोक सेवकों द्वारा रिश्वत लेने के साथ-साथ किसी भी व्यक्ति द्वारा रिश्वत देने दोनों को अपराध घोषित कर दिया। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम 2002, का उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग की घटनाओं को रोकना है और भारत में %अपराध द्वारा आय% के उपयोग पर रोक लगाना है। कंपनी अधिनियम 2013, कॉर्पोरेट प्रशासन और कॉर्पोरेट क्षेत्र में भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की रोकथाम प्रदान करता है। %धोखाधड़ी% शब्द को व्यापक परिभाषा दी गई है और यह कंपनी अधिनियम के तहत एक अपराध है। भारतीय दंड संहिता 1860, ऐसे प्रावधानों को निर्धारित करती है जिनकी व्याख्या रिश्वतखोरी और धोखाधड़ी के मामलों को कवर करने के लिए की जा सकती है, जिसमें आपराधिक विश्वासघात और धोखाधड़ी से संबंधित अपराध भी शामिल हैं। बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम 1988, यह अधिनियम उस व्यक्ति को उस पर अपना दावा करने से रोकता है जिसने किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर संपत्ति अर्जित की है।

भ्रष्टाचार का प्रभाव समाज के सबसे कमजोर लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। जो राष्ट्र भ्रष्टाचार से लड़ते हैं और अपने कानून के शासन में सुधार करते हैं, वे अपनी राष्ट्रीय आय में 400 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकते हैं। लोगों की जागरूकता ही भ्रष्ट व्यवस्था को बदल सकती हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई और ईमानदारी, पारदर्शिता, कर्तव्यनिष्ठा को हमारे प्रत्येक के जीवन, समाज, संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। हमारे प्रणाली में निरंतर जांच और संतुलन बना रहना चाहिए। कर्मचारी या जन प्रतिनिधि का पद जितना ऊंचा होता है, वह जनता के प्रति उतना ही अधिक जवाबदेह होता है। भ्रष्टाचार संबंधित शिकायत के लिए भारत सरकार के केंद्रीय सतर्कता आयोग से संपर्क करने के लिए टोल फ्री= 1800110180, 1964 पर कॉल कर सकते है। इसके साथ ही राज्य सरकार के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग भी इस समस्या से लड़ने के लिए सर्वदा तत्पर होते है। जैसे कि महाराष्ट्र राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग से संपर्क करने के लिए +91 22-249-21212, टोल फ्री नंबर 1064, व्हाट्सएप नंबर 9930997700, ई-मेल आईडी acbwebmail@mahapolice.gov.in का उपयोग कर सकते है। हमेशा जागरूक रहें, सतर्क रहें देशहित में कार्य करें।

डॉ. प्रितम भी. गेडाम

बार चलना है तो प्रतिमाह देना होगा 25000 की रंगदारी

केसर बार के संचालक की शिकायत पर चार आरोपियों पर मामला दर्ज

बुलंद गोंदिया। रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले गोंदिया बालाघाट मार्ग पर बसंत नगर में स्थित केसर बार एंड रेस्टोरेंट के संचालक को चार आरोपियों द्वारा जान से मारने व दुकान को जलाने की धमकी देकर दुकान शुरू रखने के नाम पर प्रतिमाह 25000 की रंगदारी की मांग की। उपरोक्त मामले में बार संचालक फरियादी अशोक पाठक की शिकायत पर रामनगर पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया बालाघाट मार्ग पर बसंत नगर के समीप स्थित केसर बार के संचालक अशोक शिवगणेश पाठक उम्र 58 वर्ष को को जून 2022 से 28 नवंबर 2023 तक आरोपियों दुर्गेश उर्फ डेनी रमेश खरे उम्र 31 वर्ष निवासी बसंत नगर2) शाहरुख फरीदखान पठान उम्र 29 वर्ष निवासी गड्डा टोली 3) आदर्श उर्फ बाबू बाबूलाल भगत उम्र 20 वर्ष कनहारटोली 4)संकेत अजय बोरकर उम्र 20 वर्ष कनहार टोली द्वारा समय-समय पर दुकान में पहुंचकर शराब के लिए नहीं पूछते, शराब पीने पर उसका बिल न देकर चारों आरोपियों द्वारा आपसी साटगाठ कर फरियादी वह गवाह को जान से मारने की धमकी देने वह दुकान जलाने की बार-बार धमकी देकर दुकान शुरू रखने बार चलाना है उसके लिए?25000 प्रति माह की रंगदारी की मांग की। जब फरियादी द्वारा आरोपी क्रमांक एक दुर्गेश खरे से पुरानी उधारी के पैसे के बारे में बोले जाने पर पुराना बिल न देने वह धमकी देकर 50000 की मांग की व 15000 नगदी लेलिए। साथ ही आरोपी क्रमांक 2 द्वारा हथियार दिखाते हुए कहा कि भाई तुम्हारा नाम लेकर दारू पीता हूं तो हमसे बिल मांगने लगे हैं इन्हें अपने तरीके से दिखाना पड़ेगा ऐसी धमकी दी तथा आरोपी क्रमांक 3 आदर्श भगत व आरोपी क्रमांक 4 ने कहा कि यह बार वाले डेनी भाई का नाम बताने के बावजूदशराब के पैसे मांगते हैं। उनकी दुकान, गिलास ,चेयर तोड़ू क्या ऐसी धमकी दी। जिस पर फरियादी द्वारा आरोपियों के खिलाफ रामनगर पुलिस थाने में 30 नवंबर को शिकायत दर्ज करवाई। रामनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भादवी की धारा 386, 34 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच रामनगर पुलिस थाने के निरीक्षक संकेत केंजले के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक राजू बस्तवाड़े द्वारा की जा रही है।

मगरारोहयो योजना का हर जरूरतमंदो को मिले लाभ

ऐसा नियोजन करे - विधायक विजय रहांगडाले

बुलंद गोंदिया-महाराष्ट्र ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत केंद्र सरकार ग्रामीण परिवार के प्रत्येक वयस्क को प्रति परिवार 100 दिनों के रोजगार की गारंटी देती है। महाराष्ट्र सरकार 100 दिनों से अधिक के अकुशल रोजगार की गारंटी देती है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक परिवार को जॉब कार्ड प्राप्त करने का अधिकार है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि योजना ठीक से लागू हो और इसका लाभ हर जरूरतमंद व्यक्ति को मिले, तहसील स्तर पर एक समिति नियुक्त की जाती है और इस समिति के अध्यक्ष उस विधानसभा क्षेत्र के विधानसभा सदस्य हैं। मुख्य रूप से तिरोड़ा तहसील में मगरारोह्यो के तहत 4072 कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी मिली है, जिनमें से 2816 कार्य शुरू हो चुके हैं और 994 कार्य पूरे हो चुके हैं और 1822 कार्यों की समीक्षा की गई है। यह भी बताया गया कि लघु सिंचाई विभाग द्वारा तालाब को गहरा कर गाद को हटाया जाये. .विधायक ने क्षेत्रवार शिविर लेने के निर्देश दिए, साथ ही दो दिन पहले हुई भारी बारिश से खराब हुई धान की फसल का पंचनामा बनाकर शासन को सौंपने के निर्देश दिए। इस समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से तिरोड़ा गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक और समिति अध्यक्ष विजय रहांगडाले,कुंता पटले, वंसत भगत, मदन पटले, रमेश कोकुडे, शुषमा कावले, संध्या भरणे, माया राहंगडाले, एकनाथ सपाटे, खड़क सिंह जगने, मनोहर बुद्धे,, प्यारेलाल पटले, राम प्रकाश पटले, उपविभागीय अधिकारी पूजा गायकवाड, तहसीलदार गजानन कोकड़े, उपविभागीय उपभियंता गोवर्धन बिसेन, आपूर्ति निरीक्षक जीवन राठोड, सा.बा उपविभागीय अभियंता अनिल रहांगडाले,तहसील कृषि अधिकारी चव्हाण, विकास अधिकारी शितेश पटले, इंजीनियर वामन चव्हाण, गोंदिया सिंचाई विभाग के उपविभागीय इंजीनियर एसडी पटले और वन विभाग के प्रमुख उपस्थित थे।

क्रेन की टक्कर से गुपचुप विक्रेता की मौत

सालेकसा के पानगांव चौक की घटना

» आक्रोशित नागरिकों ने4 घंटे किया रास्ता रोको आंदोलन

बुलंद गोंदिया।(संवाददाता सालेकसा)- सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले पानगांव मुंडीपार चौक पर गुपचुप व्यवसायी के ठेले को आमगांव से सालेकसा की ओर आ रहे क्रेन चालक द्वारा लापरवाही पूर्ण तरीके से चलते हुए गुपचुप के ठेले को जबरदस्त टक्कर मार दी इस घटना में गुपचुप विक्रेता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जिसे आक्रोशित नागरिकों द्वारा रास्ता रोककर 4 घंटे किया आंदोलन।उपरोक्त घटना शनिवार 2 दिसंबर की दोपहर डेढ़ से 2.00 बजे के दौरान घटित हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले पानगांव मुंडीपार चौक पर प्रतिदिन के अनुसार सोनपुरी ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले कुनबी टोला निवासी जागेश्वर उके उम्र 32 वर्ष यह गुपचुप का ठेला चौक पर लगाकर व्यवसाय करता था। प्रतिदिन के अनुसार ही चौक पर जब उसने अपना ठेला लगाया था इसी दौरान आमगांव की ओर से आ रहे क्रेन चालक द्वारा तेज गति से लापरवाही पूर्ण तरीके से चलते हुए चौक पर लगाए गए ठेले को जबरदस्त टक्कर मार दी जिसकी चपेट में जागेश्वर उकेभी आ गया वह गंभीर रूप से जख्मी होने पर उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना की जानकारी पुलिस को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा किए बिना शव को उठाने पर इस घटना की जानकारी आसपास के नागरिकों को मिलते ही आक्रोशित नागरिकों द्वारा रास्ता रोक को आंदोलन शुरू किया। जो करीब 4 घंटेतक चला। घटना की गंभरता को देखते हुए ग्राम के सरपंच व अन्य जनप्रतिनिधियों व पुलिस निरीक्षक बाबा साहब बोरसे के साथ मिलकर आक्रोशित नागरिकों को समझ कर क्रेन मलिक वह ड्राइवर पर मामला दर्ज कर आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लिया। इसके पश्चात आक्रोशित नागरिकों द्वारा रास्ता रोको को आंदोलन समाप्त किया। पुलिस द्वारा मृतक के शव को ग्रामीण चिकित्सालय में शव विच्छेदन के लिए भेजा गया वह आगे की जांच पुलिस द्वारा शुरू की गई। मृतक जागेश्वर की एक बेटा व बेटी है तथा वह अपने माता-पिता का एकमात्र पुत्र था।

उल्लेखनीय है कि तीन से चार दिनों पूर्व भी सालेकासा मार्ग प शहर के बीच में भात गिरणी के के सामने एक तेज गति वाहन चालक द्वारा एक छोटे बच्चों को भी कुचल दिया था जिसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। उपरोक्त मार्ग पर प्रतिदिन भारी वाहन तेज गति से चलने के कारण दुर्घटना घटित हो रही है जिस पर लगाम लगाने की मांग नागरिकों द्वारा की गई है। यदि इस पर पुलिस द्वारा जल्द ही कार्रवाई नहीं की जाती तोआसपास के ग्राम के नागरिकों द्वारा आंदोलन करने की चेतावनी भी इस समय दी गई।

जिले के चहुमुखी विकास के संकल्प से एयरपोर्ट की निर्मिति हुई

उसका सपना आज साकार हुआ- पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल

» हरी झंडी दिखाकर किया गोंदिया से हैदराबाद विमान सेवा का किया शुभारंभ

बुलंद गोंदिया। आज मुझे बेहद खुशी है कि जिले के चहुमुखी विकास के संकल्प के साथ हमनें बिरसी की हवाई पट्टी को एयरपोर्ट में तब्दील किया आज उसी एयरपोर्ट से देश की अग्रणी इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान गोंदिया से हैदराबाद के लिए उड़ने जा रही है। आने वाले साल में गोंदिया से मुंबई और पुणे की उड़ान भी शुरू हो ये हमारा संकल्प है। उक्त प्रतिपादन पूर्व केंद्रीय विमानन मंत्री एवं सांसद प्रफुल्ल पटेल ने व्यक्त किया। सांसद पटेल ने 1 दिसंबर को गोंदिया स्थित बिरसी एयरपोर्ट से गोंदिया से हैदराबाद इंडिगो विमान सेवा की शुरुवात हरी झंडी दिखाकर की।

आधुनिक सुविधाओं वाला एयरपोर्ट है बिरसी विमानतल

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद प्रफुल्ल पटेल ने आगे कहा, वर्ष 2004 में जब मैं केंद्र में विमानन मंत्री था तब मैंने गोंदिया, भंडारा, बालाघाट जिले के चहुमुखी विकास, शिक्षण, व्यवसाय और व्यापार को बढ़ावा देने, नवेगांव-नागझिरा वन्यजीव अभ्यारण्य एवं कान्हा नेशनल पार्क हेतु पर्यटन को बढ़ावा देने बिरसी हवाई पट्टी पर बड़े स्तर का हवाई अड्डा बनाने का संकल्प लिया और इसकी शुरुवात की।

उन्होंने कहा, एयरपोर्ट के साथ ही हमनें यहां विमान पायलट प्रशिक्षण केंद्र की शुरुवात की। आज इस हवाई अड्डे पर दो पायलट प्रशिक्षण केंद्र पायलट तैयार कर रहे है। लोग कहते थे कि ये हवाई अड्डा हमनें अपने लिए बनाया, पर आज इस एयरपोर्ट से हैदराबाद की उड़ान भर रही है जो सभी के लिए समर्पित है।

केंद्रीय विमानन मंत्री रहते, देश में इंडिगो विमान सेवा की शुरुवात की थी

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, ये संयोग की बात है कि जिस समय मेरे विमानन मंत्री रहते मैंने इंडिगो एयरलाइंस की शुरुवात पूरे भारत में विमान सेवा हेतु हरी झंडी दिखाकर की, आज वही इंडिगो एयरलाइंस कंपनी गोंदिया से हैदराबाद की सेवा दे रही है और इसकी शुरुवात मेरे हाथों हो रही है।

आने वाले समय में देश की 10 प्रतिशत जनता विमान सेवा का लाभ उठाएगी..

पटेल ने कहा, 140 करोड़ की जनसँख्या वाले हमारे भारत देश में सिर्फ 1 प्रतिशत लोग हवाई यात्रा करते है। पर आने वाले समय में देश की 10 प्रतिशत जनसँख्या विमान सेवा का लाभ उठाएगी ये हमारा विश्वास है।

हैदराबाद से है हर शहर की विमान कनेक्टिविटी

उन्होंने कहा, भले ही आज हैदराबाद के लिए गोंदिया से विमान सेवा शुरू हो गई है। पर हैदराबाद देश के हर शहर एवं विदेशी शहरों की विमान सेवा से जुड़ा हुआ है। हम गोंदिया से हैदराबाद होते हुए सीधे किसी भी शहर में विमान सेवा का लाभ उठा सकते है। उन्होंने ये भी कहा आने वाले साल तक गोंदिया से मुंबई और पुणे की विमान सेवा शुरू हो इस हेतु वे प्रयासरत है।

साझा किया हैदराबाद टू गोंदिया का विमान सफर

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री पटेल ने कहा, मैं आज सुबह मुंबई से इंडिगो की फ्लाईट में बैठा और हैदराबाद होते हुए सीधे गोंदिया पहुँचा हूँ। उन्होंने हवाई यात्रा के दौरान देखा कि गोंदिया, भंडारा और बालाघाट जिले से लोग सफर कर रहे थे। कुछ बच्चे शैक्षणिक स्तर के छात्र थे। सभी से बातचीत कर मन प्रफुल्लित हुआ। उन्होंने खुशी जाहिर की, कि गोंदिया से हैदराबाद की पहली उड़ान पूरी सीटों पर भरकर गई है। इस अवसर पर सांसद प्रफुल पटेल के साथ इंडिगो विमान कंपनी के स्पेशल डायरेक्टर आर.के. सिंग (वीडियो कॉन्फ्रेंस से), सांसद सुनील मेंढें, विधायक विनोद अग्रवाल, जि. प अध्यक्ष पंकज राहंगडाले, पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, वरुन द्विवेदी, (इंडिगो) बिरसी विमान प्राधिकरण अधिकारी शफीक शाह, रमेश कुथे, दिनेश दादरीवाल, नंदु बीसेन, रौशन जायसवाल, सोनु कुथे, यशवंत गणवीर, पुजा अखिलेश सेठ, जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, पुलिस अधिक्षक निखिल पिंगले, मुख्याधिकारी अनिल पाटिल, अतिरिक्त एस.पी. नित्यानंद झा, संतोष सोनवाने सरपंच सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, विविध सामाजिक संगठन के पदाधिकारी? गोंदिया, बालाघाट, भंडारा जिले से गणमान्य नागरिक व पत्रकार बंधु उपस्थित थे।

मतदाता सूचियों को सुधारित करने व नये युवा मतदाताओं के पंजीकरण पर अधिक से अधिक जोर दिया जाए-विजयालक्ष्मी बिदरी

बुलंद गोंदिया। मतदाता सूची निरीक्षक एवं संभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी ने निर्देश दिया कि आगामी चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए मतदाता सूची को सटीक एवं त्रुटिहीन बनाने के साथ-साथ नए युवा मतदाता पंजीकरण पर अधिक से अधिक जोर दिया जाए।

जिलाधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में मतदाता सूची सत्यापन के संबंध में टेलीविजन के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी, उस समय श्रीमती बिदरी बोल रही थीं। इस अवसर पर जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे, उप जिलाधिकारी(चुनाव) किरण अंबेकर, सभी उपविभागीय अधिकारी, तहसीलदार और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

संभागीय आयुक्त श्रीमती बिदरी ने कहा, चूंकि आगामी वर्ष चुनाव है, इसलिए चुनाव के अनुरूप आवश्यक तैयारियां की जाएं। भारत निर्वाचन आयोग ने इस संबंध में सभी तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग पहले ही सभी निर्वाचन क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, मतदान केंद्रों की तैयारी, संवेदनशील मतदान केंद्रों के निर्धारण आदि की समीक्षा कर चुका है। अतः सभी व्यवस्थाओं एवं प्रशासनों को आयोग के निर्देशों का ध्यानपूर्वक पालन करना चाहिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी को मतदान व्यवस्था के लिए सभी आवश्यक उपकरण, सामग्री, जनशक्ति प्रबंधन आदि के प्रबंधन के लिए सक्षम अधिकारियों, जनशक्ति की नियुक्ति करनी चाहिए। चुनावी प्रणाली को दोष देने से बचने के लिए बहुत सावधानी से काम करें। श्रीमती बिदरी ने कहा कि मतदाता सूची शुद्ध एवं त्रुटिरहित हो इस पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए।

मतदाता सूची को निर्दोष बनाने के लिए मृत मतदाताओं का बहिष्कार, स्थायी प्रवासी मतदाताओं का बहिष्कार, डुप्लीकेट मतदाताओं का बहिष्कार पर सबसे अधिक जोर दिया जाना चाहिए। मतदाता सूची का समुचित सत्यापन कर मृत मतदाताओं का बहिष्कार, मतदाता सूची में अस्पष्ट फोटो वाले मतदाताओं को सुधारा जाय। नए मतदाताओं को शामिल करने के लिए नियमित रूप से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जाए। उन्होंने कहा कि ये सभी कार्यवाही निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए की जानी चाहिए, यदि ऐसा किया गया तो मतदान प्रतिशत निश्चित रूप से बढ़ेगा।

संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में ग्राम स्तर पर पुलिस पाटिल, तलाठी, ग्राम सेवक की सूची की जांच करने में मदद ली जानी चाहिए। 18 वर्ष से अधिक का कोई भी नागरिक मतदाता पंजीकरण से वंचित न रहे। युवा मतदाता पंजीकरण के लिए, सहायता के लिए उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, जूनियर और सीनियर कॉलेजों से संपर्क करें। मतदाता निर्वाचन पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने पर जोर दिया जाए। सरकारी स्कूलों और मतदान केंद्रों वाले अन्य भवनों की मरम्मत होनी है तो अभी से योजना बना लें। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रपत्र क्रमांक 6, 7 एवं 8 में नागरिकों के दावे एवं आपत्तियों को लंबित न रखा जाये।

इस अवसर पर जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने यह जानकारी दी की गोंदिया जिले में चार विधानसभा क्षेत्र हैं, 63-अर्जुनी मोरगांव, 64-तिरोडा , 65-गोंदिया, 66-आमगांव (एसटी) और कुल मतदान केंद्रों की संख्या 1284 है। चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल पुरुष मतदाता- 5,45,902. महिला मतदाता- 5,50,548 एवं अन्य- 09, कुल 10,96,459 मतदाता। मतदान केन्द्र स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) द्वारा 21 जुलाई 2023 से 21 अगस्त 2023 तक घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया गया तथा चार में मृत मतदाताओं- 26,254, प्रवासी- 20,463, डुप्लीकेट- 1,299, कुल 48,016 मतदाताओं को बाहर करने की कार्यवाही की गई। विधानसभा क्षेत्रों में चल रही है।जिले में आधार नंबर से जुड़े मतदाताओं की संख्या 6,85,980 है।

गांवों को आदर्श बनाने के लिए समय सीमा का पालन करें- अनिल पाटिल

बुलंद गोंदिया। जिले के सभी गांव शौच मुक्त हो गये. अब गांवों को ओडीएफ प्लस यानी ओडीएफ प्लस बनाना है। इसके लिए सबसे ज्यादा जोर अपशिष्ट जल और ठोस अपशिष्ट के प्रबंधन पर है। जिला परिषद गोंदिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटील ने समय-सीमा का पालन करते हुए तदनुसार योजना बनाकर गांवों को आदर्श बनाने की अपील की। तिरोडा तहसील के बोदलकसा में आयोजित ओडीएफ प्लस कार्यशाला का संचालन करते हुए बोल रहे थे। जल एवं स्वच्छता विभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद राव पिंगले, ग्राम पंचायत प्रभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोविंद खामकर,अभियंता, सुमित बेलपात्रे ग्रामीण जलप्रदाय विभाग मंच पर मौजूद थे. इस अवसर पर अनिल पाटिल ने विभिन्न विषयों की समीक्षा की. उन्होंने कहा, व्यक्तिगत शौचालय परिवार की जरूरत है. इसलिए सरकार की नीति के अनुसार हर परिवार को एक शौचालय दिया गया. फिर भी व्यक्तिगत शौचालयों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसलिए उन्होंने कार्यशाला में आवेदकों का सीधे निरीक्षण कर पात्र व्यक्ति को ही लाभ देने के निर्देश दिए। जल एवं स्वच्छता विभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने व्यक्तिगत शौचालय, सार्वजनिक शौचालय, अपशिष्ट जल एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक प्रतिबंध आदि मुद्दों की समीक्षा कर भौतिक एवं आर्थिक प्रगति पर जोर देने का आह्वान किया। आनंदराव पिंगले ने किया। 15वें वित्त आयोग एवं ग्राम पंचायत आंतरिक योजना योजना ग्राम पंचायत संभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोविंद खामकर ने विस्तृत मार्गदर्शन दिया. ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के कार्यपालक अभियंता सुमित बेलपत्रे ने जलजीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा की। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समाजशास्त्री श्रीमती दिशा मेश्राम ने पीपीटी प्रस्तुतिकरण के माध्यम से %ओडीएफ प्लस% के बारे में जानकारी दी। स्वच्छता विशेषज्ञ सूर्यकांत रहमतकर ने सीवेज और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में, सार्वजनिक शौचालय और स्कूल स्वच्छता विशेषज्ञ भागचंद रहांगडाले ने संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता के बारे में जानकारी दी। अभियान. कार्यक्रम के प्रारंभ में संत गाडगेबाबा, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया. कार्यशाला के परिचयात्मक उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंदराव पिंगले ने किया। समन्वय सूचना, शिक्षा एवं संचार विशेषज्ञ अतुल गजभिए द्वारा कार्यक्रम की सफलता हेतु विशाल मेश्राम, रमेश उदयपुरे और जिला जल एवं स्वच्छता मिशन के कर्मचारियों ने काम किया। कार्यशाला में जिले की सभी पंचायत समितियों के समूह विकास अधिकारी, विस्तार अधिकारी, समूह संसाधन केन्द्र स्टाफ ने भाग लिया।

शीतकालीन सत्र में गोंदिया जिले के विभिन्न मुद्दों को सुलझाने का रहेगा प्रयास : विधायक विनोद अग्रवाल

शीतकालीन सत्र विभिन्न संगठन के पदाधकारियों ने विधायक को दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर 2023 से नागपुर में होने जा रहा है। उक्त सत्र 14 दिनों तक चलेगा. शीतकालीन सत्र में अपनी मांगों को रखने के लिए गोंदिया जिले के विभिन्न कर्मचारी संगठनों नेविधायक विनोद अग्रवाल से भेट कर अपनी मांगे रखी है। इसमें प्रदेश कार्यकारी संगठन के सदस्यों ने विधायक विनोद अग्रवाल से मिलकर मांग की है कि महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवन सुधार मिशन के तहत ग्राम संघ और वार्ड संघ अभियान में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं. इसके साथ ही महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कंप्यूटर ऑपरेटर एसोसिएशन के सदस्यों ने भी विधायक विनोद अग्रवाल को विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा है. कुछ दिन पहले जागृति विकास मंच के पदाधिकारियों ने बिजली दरें कम करने हेतु निवेदन दिया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा अधिकारी कर्मचारी समायोजन संघर्ष समिति जिला गोंदिया की ओर से धरना स्थल पर विधायक विनोद अग्रवाल ने भेट दे कर चर्चा की थी. गोंदिया जिले के युवाओं ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती शुरू कराने के लिए मुलाकात की थी और निवेदन दिया था। विधायक विनोद अग्रवाल ने सभी के निवेदन का स्वीकार करते हुए शीतकालीन सत्र में मांगों को उठाने का आश्वासन दिया है. साथ ही विधायक ने आगामी शीतकालीन सत्र में बेमौसमी वर्षा से हुए नुकसान का मुआवजा और धान का बोनस और प्रोत्साहन राशि बढ़ाने की मांग करने का आश्वासन दिया है।

जिला परिषद आपल्या गावी अभियान स्वास्थ्य विभाग की वारी

बुलंद गोंदिया। जिला परिषद गोंदिया की ओर से प्रत्येकतहसीलों के दो गांवों में शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी एवं लाभ नागरिकों को उपलब्ध कराने की दृष्टि से एक महत्वाकांक्षी पहल जिला परिषदआपल्या गावी अभियान जिला परिषद अध्यक्ष पंकज रहांगडाले, उपाध्यक्ष यशवन्त गणवीर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटील के मार्गदर्शन में गतिविधियों के माध्यम से शिविर आयोजित करने का अभिनव निर्णय लिया गया। 30 नवंबर को सड़क अर्जुनी तहसील के डव्वा में जिला परिषदआपल्या गावी अभियान शुरू किया गया । इस अवसर पर जिला प्रशासनिक अधिकारियों, अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, जिला परिषद सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों की उपस्थिति में जिला परिषद के माध्यम से ग्राम स्तर पर क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों एवं कार्यक्रमों से अवगत कराया गया ।जिला परिषद आपल्या गावी अभियान में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रडव्वा की टीम ने स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक योजनाओं जैसे जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, जननी के बारे में जानकारी देने के लिए जागरूकता स्टॉल लगाए। शिशु सुरक्षा योजना, मानव विकास कार्यक्रम, नवसंजीवनी मातृत्व अनुदान योजना आदि राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई तथा बैनर के माध्यम से जनजागरूकताकी गई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डव्वा की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इसमें लोगों के जरूरी प्रयोगशाला परीक्षण किये गये। जिला परिषद आपल्या गावी अभियान में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र द्वितीय के चिकित्सा अधिकारी. डॉ. स्नेहा बनकर, मानसेवी चिकित्सा अधिकारी विनोद भुते, प्रयोगशाला अधिकारी घनश्याम बावनकर, औषधि निर्माण अधिकारी धनंजय ठाकुर, स्वास्थ्य सहायक विलास अरीकर, स्वास्थ्य सहायक नागदेवे, स्वास्थ्य सेवक संदीप कांबले, सचिन चौधरी, उमेश बांगड़कर, पी.के. सोनपिम्पल, हरीश डोनोड, सिद्धार्थ गेडाम, स्वास्थ्य कार्यकर्ता बोदरे, खोबरागड़े, कारपेटे, गेडाम, आशा सेवक समूह प्रमोटर बिंदू शेंडे और सभी आशा सेवकों ने भाग लिया।

धादरी में मनाया गया महापरिनिर्वाण दिवस

मुंडीकोटा/तिरोड़ा-ग्राम पंचायत धादरी में डा. बाबासाहब आंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस मनाया गया. सर्वप्रथम विमुस अध्यक्ष घनश्याम रहांगडाले ने डा. बाबासाह आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया. इस अवसर पर सुरेश पटले, सुनील पटले, माया ओंकार, वन पटले, हरिदास धावडे, सेवकराम पटले, संतोष भगत, चंद्रकुमार पटले, मदन पटले, मोहन पटले, सचिन ठाकरे, कविदास तुमसरे आदि उपस्थित थे. संचालन सरपंच अजीत ठवरे ने किया.

जनभागीदारी से एड्स पर नियंत्रण-जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे

विश्व एड्स दिवस आयोजित

बुलंद गोंदिया। एड्स एक जानलेवा बीमारी है जिससे बचाव ही एकमात्र इलाज है. एड्स की रोकथाम के लिए हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। एड्स एक खतरनाक और जानलेवा बीमारी है। यह रोग एचआईवी वायरस के संक्रमण से होता है। इस वायरस की प्रकृति के कारण इस बीमारी का कोई इलाज नहीं है, इसलिए एड्स से बचाव बहुत जरूरी है। केटीएस जिला सामान्य अस्पताल में एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने कहा कि लोगों की भागीदारी से ही एड्स को नियंत्रित किया जा सकता है।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत महाराष्ट्र राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी मुंबई और केटीएस जिला सामान्य अस्पताल और राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से आयोजित किया गया था। एड्स दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने जिला शल्यचिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. तुरकर, रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर डॉ. बी.डी जायसवाल, जिला एड्स नियंत्रण पर्यवेक्षक संजय जेनेकर, सार्वजनिक स्वास्थ्य परिचारिका नीलू चुटे, एआरटी केंद्र के चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्मिता गेडाम, एनएमडी कॉलेज के आरएसईओ कार्यक्रम अधिकारी प्रो.डॉ. डॉ. बबन मेश्राम, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी, गर्ल्स कॉलेज। कविता राजभोज उपस्थित रहीं।

शहर के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों, नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं की भव्य एड्स जागरूकता रैली का शुभारंभ जिलाधिकारी चिन्मय गोतमारे ने हरी झंडी दिखाकर किया।

जिला सर्जन डॉ. अमरीश मोहबे ने बताया कि गोंदिया जिले में भी इस दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग एवं आईसीटीसी सेंटर के माध्यम से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इस वर्ष भी एक दिसम्बर को जिला स्तर पर निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित कर जनजागरूकता पैदा की जा रही है। इसी बीच वर्ष 2002 से जिले में एड्स की जांच शुरू की गयी, जब जिले में एड्स से पीड़ित लोगों की समीक्षा की गयी. इसमें अब तक 3 हजार 76 एड्स पीड़ित पंजीकृत हो चुके हैं। वर्तमान में जिले में 52 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 2 ग्रामीण अस्पताल, 2 सरकारी जिला अस्पताल और 2 निजी 58 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं और 2010 से जिले में एआरटी उपचार शुरू किया गया है। इस बीच 1852 पीड़ित इसका इलाज करा रहे हैं. एड्स बीमारी के बारे में अभी भी बहुत से लोग अंजान हैं, इनका जागरूक होना जरूरी है।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे ने कहा कि एड्स दिवस के अवसर पर सभी आयु वर्ग के लोगों को एचआईवी संक्रमण के प्रति जागरूक किया जाता है. इसे बढ़ावा देने के लिए हर साल विश्व स्वास्थ्य संगठन विश्व एड्स दिवस के लिए एक थीम तय करता है, इस साल विश्व स्वास्थ्य संगठन ने विश्व एड्स दिवस की थीम समुदायों को नेतृत्व करने दें तय की है। हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। एड्स से प्रभावित लोगों को स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और समान रोजगार के अवसर उपलब्ध होने चाहिए। ताकि WHO के मुताबिक इस थीम का उद्देश्य पूरा हो सके. विश्व एड्स दिवस क्यों मनाया जाता है? **विश्व एड्स दिवस का उद्देश्य** एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता फैलाना और दुनिया भर में इस बीमारी से प्रभावित लोगों की मदद करना है। इस दिन का उद्देश्य एड्स से प्रभावित लोगों को समाज में कलंक और भेदभाव के बिना एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम बनाना है। उनके प्रति छुआछूत का भेदभाव समाप्त किया जाए। इस दिन का उद्देश्य नई दवाओं सहित उपचार में सुधार का समर्थन करना और यह सुनिश्चित करना है कि एचआईवी/एड्स से प्रभावित सभी लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हों।

आईसीटीसी विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, गोंदिया जिले में इस बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या काफी अधिक है और पिछले 20 वर्षों में जिले में 3,000 से अधिक लोग एड्स से पीड़ित हो चुके हैं. जिले में फिलहाल 1852 एड्स मरीजों का इलाज चल रहा है। जैसा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित किया गया है, दुनिया भर में फैल चुकी एक घातक बीमारी एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर एम.जे. पैरामेडिकल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया.

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संजय जेनेकर ने किया। कार्यक्रम की सफलता हेतु एन.एम.डी. और एसएस गर्ल्स कॉलेज, डीबी साइंस कॉलेज रेड रिबन क्लब, एन.जी.ओ. में रासेयो स्वयंसेवक। सरकारी नर्सिंग स्कूल के पदाधिकारियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के साथ-साथ केटीएस अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहयोग किया। अंत में एड्स दिवस के अवसर पर शपथ दिलाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

भारतरत्न महामानव प.पू. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के ऊर्जावान विचारों से आज देश प्रगतीपथ पर अग्रसर-पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

» महापरिनिर्वाण दिवस पर कृतज्ञों ने किया डॉ. बाबासाहेब का विनम्र अभिवादन

बुलंद गोदिया। पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने परमपुज्य डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिवार्ण दिवस के अवसर पर गोंदिया शहर स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक में प्रतिमा को माल्यार्पण कर प.पू. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का अभिवादन किया। इस अवसर पर गोंदिया शहर भाजपा अध्यक्ष अमित झा, शहर महिला मोर्चा अध्यक्ष निर्मलाताई मिश्रा,अशोक चौधरी, भावना कदम, राकेश ठाकुर, शकील मन्सुरी, पुरु ठाकरे सहित बड़ी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी बाबासाहेब को माल्यार्पण कर अभिवादन किया। उपस्थितों को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि, प.पू. भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ऐसे महामानव थे, जिनके नाम में अपार ऊर्जा समाई हुई थी और आज भी जितनी बार उनके नाम का जयघोष होता है, कार्यकर्ताओं एवं अनुयायीयों में अद्भुत प्रेरणा का संचार होने लगता है। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने देश और समाज की सीमाओं को तोड़कर पुरी मानवजाती के उत्थान के लिए प्रयत्न किए एवम् जब कोई व्यक्ती स्वंय के हितों को छोड़कर समाज, देश और दुनिया के हित में कार्य करता है, तो पुरी दुनिया उसे पुजती है। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ऐसी परम्परा के महान ध्वजवाहक थे जिन्होंने इन सारे विषयों पर गहन अध्ययन कर हर नागरीक को समता का दर्जा देकर देश की प्रगती में सबसे बड़ा योगदान दिया। आज किसी भी जाती, धर्म का व्यक्ती हो, पुरुष हो या महिला हो, सभी को समान दर्जा देने के लिए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जीवनभर प्रयत्नशील रहे। डॉ. बाबासाहेब के लिखे संविधान से ही देश की प्रगती संभव हो सकी है। प.पू.डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के आदर्श एवं विचारों को न सिर्फ भारत देश में बल्कि पुरे विश्व में मान्यता प्राप्त है। प.पू. डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों से पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन हुआ है और हर भारतीय गौरांवित महसुस करता है की प.पू.डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भारतीय थे, ऐस महामानव को मैं कोटी-कोटी नमन करता हूँ। ऐसे उद्गार डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने व्यक्त किए। उन्होंने आगे कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्रजी मोदी और भाजपा की राज्य और केन्द्र की सरकार ने आबेडकरी जतना के हित में अनेकों निर्णय लिये, चाहे लंडन में बाबासाहेब के निवास में म्युजियम बनाने का विषय हो, चाहे मुंबई के इंदु मिल परिसर में बाबासाहेब के सम्मान में भव्य स्मारक निर्माण, भाजपा की सरकार ने आंबेडकरी जनता की भावना का हमेशा सम्मान किया है।

इस अवसर पर प्रमुख रुप से पूर्व विधायक रमेशभाऊ कुथे, जिला भाजपा महामंत्री सुनिल के लनका, मनोहर आसवानी, प्रविण अग्रवाल,मनीष पोपट, संजय मुरकुटे, डॉ. शालिनी डोंगरे, कमल पुरोहित, विनोद (गुड्डु) चांदवानी, कृष्णकुमार लिल्हारे, पुरनलाल पाथोड़े, यशपाल डोंगरे, महबुब अली, संदिप रहांगडाले, संदिप ठाकुर, दिपक मालगुजार, नरेन्द्र चांदवानी, खलील पठान, भदु पठान, सुनिल भालेराव, सुनिल तिवारी, शिलु राकेश चौहान, स्वेता महेन्द्र पुरोहित, क्रांती जायसवाल, पराग अग्रवाल, भागवत मेश्राम, दिपीका देवा रुसे, व्यक्ट पाथरु, बंटी बानेवार, देवा रुसे, लक्ष्मीकांत डहाट, विनोद बिसेन, प्रकाश रहमतकर, तीर्थराज हरिणखे अरुण दुबे, भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष गज्जु फुंडे, प्रमिला सिंद्रामे, गोल्डी गांवंडे शंभुशरणसिंग ठाकुर, मनोहर आसवानी, हेमलता पतेहे, सतिश मेश्राम, बबली ठाकुर, बबली चौधरी, दिनेश बोपचे सहित बड़ी संख्या में नागरीकगण उपस्थित थे।

महामानव महापरिनिर्वाण दिवस पर राजकुमार बडोले के कार्यालय में पुष्पांजलि अर्पित

बुलंद गोंदिया। पूर्व सामाजिक न्याय मंत्री राजकुमार बडोले के कार्यालय में युगपुरुष महामानव परमपूज्य डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उनकी छवि पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले, भारतीय जनता पार्टी के तहसील अध्यक्ष लक्ष्मीकांत धानगाये,पंचायत समिति के उपाध्यक्ष शालिन्दर कापगते, महासचिव शिशिर येळे,आईटी सेल के जिला संयोजक तिजेश गौतम, जिला परिषद सदस्य कविता रंगारी, पंचायत समिति सदस्य वर्षा शहारे, पूर्व जिला परिषद सदस्य रूपाल टेंभुर्णे, रंजनाताई भोई, तुकाराम राणे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बाइक को मारी टक्कर

गोंदिया-रामनगर थाने के तहत कुड़वा में शराब के नशे में धुत ट्रक चालक ने वाहन को लापरवाही से चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी. इस हादसे में मोटरसाइकिल चालक बाल-बाल बचा है. इस घटना के बाद ट्रक चालक वाहन को रोकने के बजाय बाइक को घसीट रहा था. जिससे ट्रक के सामने फंसी बाइक को आग लग गई. यह देखकर वहां मौजूद लोगों ने ट्रक को रोककर चालक को वाहन से बाहर निकाला.

प.पू.डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर राष्ट्रवादी कांग्रेसने किया नमन

बुलंद गोंदिया। विश्वरत्न, परमपूज्य, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर गोंदिया शहर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से नई प्रशासनिक भवन के पास उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी पावन स्मृति को नमन किया गया। साथ ही एनसीपी भवन रेलटोली, कार्यालय गोंदिया में आयोजित कार्यक्रम में उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया. साथ ही प्रमुख उपस्थित लोगों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किये । इस अवसर पर सर्वश्री राजेंद्र जैन, अशोक सहारे, मनोहर वाल्दे, विनीत सहारे, सुनील भालेराव, माधुरी नासरे, आशा पाटिल, संध्या गोंडाने, सुदर्शना वर्मा, खालिदाभाई पठान, भगत ठाकरानी, केतन तुरकर, अखिलेश सेठ, हरबक्श गुरनानी, दीपक कनोजे, तुषार उके, कपिल बावनथड़े, राहुल वाल्दे, शैलेश वासनिक, सुनील पटले, लखन बहेलिया, राज शुक्ला, राहुल वाल्दे, रौनक ठाकुर, कुणाल बावनथड़े, मोनू मेश्राम, वामन गेडाम व अन्य उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।